

पिछलगु वि. (देश.) दे. पिछलगा।

पिछलगु वि. (देश.) दे. पिछलगा।

पिछला वि. (देश.) 1. जो पीछे की ओर हो, पीछे की ओर हो, पीछे की ओर का 2. क्रम में किसी के पीछे वाला 3. पश्चात् का, बाद का, परवर्ती 4. पूर्व काल से संबंधित पूर्वकालीन विलो. अगला।

पिछला दिन पुं. (देश.+तद्.) वर्तमान से ठीक पहले का दिन।

पिछला पहर पुं. (देश.+तद्.) 1. दिन अथवा रात का उत्तर काल 3. संध्या या प्रभात से पहले का पहर या समय।

पिछली वि. (देश.) पिछला का स्त्रीलिंग रूप।

पिछली रात स्त्री. (देश.+तद्.) आज से एक दिन पहले बीती हुई रात, कल की रात, गत रात्रि।

पिछले दिन पुं. (देश.+तद्.) बीते हुए दिन, भूत काल।

पिछवाड़ा पुं. (देश.) 1. मकान आदि का पीछे की ओर का भाग 2. मकान के पीछे के भाग के पास की भूमि/मकान आदि।

पिछाड़ वि. (देश.) 1. पीछे रहने वाला 2. बाद में होने वाला पुं. (देश.) पिछड़ने की क्रिया या भाव।

पिछाड़ी स्त्री. (देश.) 1. किसी वस्तु, काम अथवा बात का पीछे का भाग 2. घोड़े के पिछले दोनों पैरों को बांधने की रस्सी।

पिछान स्त्री. (देश.) पहचान, उदा. मैं पिय लियो पिछान-पद्माकर।

पिछानना/पिछाँनना स.क्रि. (देश.) पहचान, प्रत्यभिज्ञान।

पिछानी पुं. (देश.) 1. पहचानने वाला उदा. ऐसा वेद मिले कोई भेदी देस-विदेस पिछानी-मीराँ 2. जान-पहचान वाला, परिचित स्त्री. (देश.) पहचान।

पिछेलना स.क्रि. (देश.) 1. प्रतियोगिता में किसी से आगे निकलना और उसे पीछे छोड़ देना 2. धक्का देकर पीछे हटाना।

पिछेला वि. (देश.) हाथ का एक आभूषण जो अन्य आभूषणों के पीछे की ओर पहना जाता है।

पिछोकड़ पुं. (देश.) पिछवाड़ा।

पिछोड़ क्रि.वि. (देश.) पीछे की ओर।

पिछौंता अव्य. (देश.) 1. पीछे की ओर 2. पीछे से, बाद में।

पिछौंहा वि. (देश.) पश्चिम दिशा में रहने वाला या होने वाला।

पिछौंहे अव्य. (देश.) 1. पीछे की ओर 2. पीछे की ओर से वि. (देश.) 1. पीछे होने वाला 2. (फसल, फल आदि) जो अपनी ऋतु या समय बीत जाने पर हो।

पिछौड़ वि. (देश.) जिसने अपना मुँह पीछे कर लिया हो अव्य. (देश.) पीछे की ओर।

पिछौड़ा अव्य. (देश.) पीछे की ओर पुं. (देश.) पिछवाड़ा।

पिछौरा पुं. (देश.) 1. पुरुषों के ओढ़ने की चादर 2. उत्तरीय 3. वितान, शामियाना, चँदोवा।

पिछौरिया/पिछौरी स्त्री. (देश.) 1. ओढ़ने की छोटी चादर, छोटा पिछौरा 2. स्त्रियों की ओढ़नी या चादर 3. उत्तरीय, दुपट्टा।

पिजिन भाषा स्त्री. (अं. + तत्.) [अं. पिजिन+हि. भाषा] व्यापार आदि के लिए परस्पर संपर्क होने पर दो या अधिक भाषाओं का मिश्रित रूप जिसमें मानकीकरण की अपेक्षा बोधगम्यता और सरलीकरण का महत्व अधिक होता है, खिचड़ी भाषा।

पिटंत स्त्री. (देश.) 1. पीटने की क्रिया, भाव या अवस्था 2. पड़ने वाली मार।

पिटक पुं. (तत्.) 1. पिटारा 2. धान्यागार, कोठार 3. छोटी फुंसी, मुहाँसा 4. पेटी, टोकरी।

पिटना अ.क्रि. (देश.) 1. पीटा जाना, मार खाना 2. पराजित होना 3. (शतरंज आदि कुछ खेलों में) गोटी, मोहरे आदि का मारा जाना 4. थपकी